'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 1st Semester Examination, 2022

CC2-HINDI (102)

हिंदी कविता

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) जायसी की किन्हीं तीन रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) विद्यापति को 'मैथिल कोकिल' क्यों कहा जाता है ?

(ग) कबीर के अनुसार राम नाम का क्या महत्व है ?

(घ) विरह-काव्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) तुलसीदास कृत किन्हीं छह रचनाओं के नाम लिखिए।

(च) मीराबाई के अनुसार राम रूपी धन की क्या-क्या विशेषताएं हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) भगति दुलेही राम की, नहिं कायर का काम।
सीस उतारै हाथि करि, सो लेसी हरि नाम।।

(ख) जसोदा मदन गोपाल सोवावै।
देखि सयन-गति त्रिभुवनकंपै, ईस बिरंचि भ्रमावै।।
असित-अरुण-सित आलस लोचन उभय पलक परि आवै।।
जनु रबि गत संकुचित कमल जुग, निसि अलि उड़न न पावै।।

(ग) ऐसी मूढ़ता या मन की
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता, आस करत ओसकनकी।
धूम-समूह निरखि चातक ज्यों, हषित जानि मति घनकी।
नहिं तहैं सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।।

(घ) स्वारथ सुकृत न श्रम बृथा देखु बिहंग बिचारि।
बाज पराए पानि परि तू पच्छीनु न मारि।।

(ङ) पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यौं फिरि तेह
कै तोरियै जू।
निरधार आधार दै वार-मझार दई गहि बाँह
न बोरियै जू।

(च) पायोजी मैंने राम रतन धन पायो।
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु, किरपा कर अपनायो।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) मीराबाई की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) घनानंद के प्रेम के स्वरूप पर विचार कीजिए।

(ग) जायसी के काव्य की भाषागत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

(घ) उपालम्भ का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रमाणित कीजिए कि सूरदास का 'भ्रमरगीत' श्रेष्ठ उपालम्भ काव्य है।

——×——